# Ambastavam



## Document Information

Text title : Ambastavam
File name : ambAstavam.itx

Category : devii, vAsudevanElayath, devI, pArvatI, aShTaka

Location : doc\_devii

Description/comments : From Bhaktitarangini by Prof. P.C. Vasudevan Elayath

Latest update: December 25, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

#### Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

June 28, 2023

sanskritdocuments.org



#### **Ambastavam**

### अम्बास्तवम्



अम्बिके! प्रणमामि "त्वामायरे" ग्रामदेवते । सर्वशक्ते, प्रसीद त्वं सिचदानन्दरूपिणि ॥ १॥

> ग्रामरक्षाबद्धदीक्षे, ग्रामपुष्टिप्रदायिनि! । आपन्निवारके देवि! द्यामयि, नमोऽस्तु ते ॥ २॥

प्रसन्नकरुणापूर्णविलोलनयनाम्बुजाम् । आकुञ्चितमनोहारिस्फुरचिल्लीमित्लिकाम् ॥ ३॥

> सिन्दूरतिलकोद्भासिविशालनिटिलाश्चिताम् । कपोलविम्बितारम्यमणिकुण्डलभूषिताम् ॥ ४॥

मन्दिस्मतमनोहारि मधुराधरशोभिताम् । आनीलपट्टवसनसमावृतकलेवराम् ॥ ५॥

> प्रशान्तदिव्यमहसा परिवेषितविग्रहाम् । ध्यायामि त्वां महादेवीं श्रीविद्याशक्तिरूपिणीम् ॥ ६॥

प्रसीद त्वं शिवे, देवि, लक्ष्मि, दुर्गे, सरस्वति । रम्यं भवद्रूपमिदं भासतां हृद्ये सदा ॥ ७॥

> विपदस्त्राहि नो देवि! सम्पदो देहि नः शिवे! । अस्मासु धेहि करुणां भक्तान् नः पाहि सर्वदा ॥ ८॥

ग्रामाम्बिकास्तोत्रमिदं ये पठन्ति समाहिताः । शृण्वन्ति वा तथा तेषु प्रसीदिति महेश्वरी! ॥ ९॥ इति श्रीवासुदेवन् एलयथेन विरचितं अम्बास्तवं सम्पूर्णम् ।

#### अम्बास्तवम्

**───** 

Ambastavam

pdf was typeset on June 28, 2023

**→**0**○**0**○**0**○** 

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

